an>

Title: Need to provide adequate facilities to national level sports persons.

श्री सी.आर.चौधरी (नागौर) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मुझे समय देने के लिए मैं आपको हृदय से धन्यवाद देता हूं। मैं विद्यालयों की खेल प्रतिभाओं की कुछ पीड़ाओं को आपके मार्फत माननीय खेल मंत्री जी को बताना चाहता हूं। वास्तविकता यह है कि जिले में स्कूलों के लिए विद्यार्थियों के टूर्नामेंट होते हैं, उनमें जो बच्चे सिलैक्ट होते हैं, उन्हें स्टेट लैवल पर खेलना पड़ता है और स्टेट लैवल से बच्चे सिलैक्ट होकर नैशनल लैवल पर गेम्स खेलते हैं। हालांकि यह मैटर स्टेट से संबंधित है, लेकिन केन्द्रीय खेल मंत्रालय को नैशनल लैवल के खिलाड़ियों की पीड़ाओं को समझना अति-आवश्यक है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि अभी राजस्थान की जिम्नास्टिक टीम को हैदराबाद खेलने जाना था, लेकिन उन्हें रिजर्वेशन नहीं मिल रहा था। उन खिलाड़ियों में 50 प्रतिशत लड़के और 50 प्रतिशत लड़कियां थीं। मैंने माननीय रेल मंत्री जी से निवेदन कर के जैसे-तैसे उनका रिजर्वेशन टू टीयर और थर्ड टीयर, यानी ऑर्डिनरी अर्थात् सामान्य श्रेणी के डिब्बों में कराया। इसलिए मैं निवेदन करना चाहूंगा कि जैसे ही कोई खिलाड़ी नैशनल लैवल पर गेम खेलने के लिए सिलैक्ट हो, तो उसे ए.सी. सैकिंड या थर्ड टीयर में जगह दी जानी चाहिए और यह सब व्यवस्था एस.ए.आई (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑ इंडिया) को करनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदया, मेरा दूसरा निवेदन है कि अलग-अलग स्टेट्स में, खिलाड़ियों को डाइट के लिए अलग-अलग पैसा दिया जाता है और कई राज्य सरकारें बहुत कम पैसा दे रही हैं। मेरा निवेदन है कि जो बच्चे नैशनल लैवल पर गेम्स खेलने जाते हैं, उन्हें डाइट अथवा अन्य सुविधाएं समान रूप से एस.ए.आई. के द्वारा उपलब्ध कराई जानी चाहिए। यदि एस.ए.आई. धन नहीं देता है, तो फिर खेल मंत्रालय को यह काम करना चाहिए, क्योंकि ये राÂष्ट्रीय प्रतिभाएं हैं। इन्हें उभारने का काम केन्द्र सरकार नहीं करेगी, तो और कौन करेगा? आप और हम बराबर कहते हैं कि हम एशियन गेम्स में मैडल नहीं लाए या हम ओलम्पिक गेम्स में कम मैडल लाए। यदि ये प्रतिभाएं तीन-तीन दिन की जर्नी कर के नैशनल लैवल गेम्स खेलने के लिए साधारण डिब्बों में सफर करेंगी, तो वे खेल क्या खेल पाएंगी? मान लीजिए कि गुवाहाटी से कोई बच्चा सिलैक्ट होता है और उसे तिरुअनन्तपुरम में नैशनल लैवल के टूर्नामेंट में खेलने के लिए जाना है और यदि उसे तीन दिन की जर्नी सामान्य दर्जे के डिब्बे में करनी पड़ेगी, तो वह क्या परफॉर्म करेगा? अतः अच्छी परफॉरमेंस के लिए अच्छी डाइट और सुविधाएं दी जानी चाहिए। मेरी आपके माध्यम से माननीय खेल मंत्री जी से यही प्रार्थना है। मेरी इस प्रार्थना पर ध्यान दिया जाना चाहिए और इसे तुरन्त लागू किया जाना चाहिए। समय देने के लिए आपका पुनः आभार।

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री सी.आर. चौधरी द्वारा सदन में प्रस्तुत किए गए विÂषय से माननीय सदस्य सर्वश्री मोहम्मद बदरुद्दोज़ा खान, श्रीरंग आप्पा बारणे, राहुल रमेश शेवाले, डॉ. श्रीकान्त एकनाथ शिंदे, डॉ. वीरेन्द्र कुमार, श्री चन्द्र प्रकाश जोशी, रोड़मल नागर, सुधीर गुप्ता, भैरोंप्रसाद मिश्र, डॉ. किरीट पी. सोलंकी, डॉ. सत्यपाल सिंह, देवजी पटेल, ए.टी. नाना पाटिल, शिवकुमार उदासि, कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल, डॉ. मनोज राजोरिया, कुमारी शोभा कारान्दलाजे, पी.पी. चौधरी, हरीश मीना, अर्जुन लाल मीना, गजेन्द्र सिंह शेखावत, रामचरन बोहरा, अजय मिश्रा टेनी एवं श्री शरद त्रिपाठी अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।